

CLASS-7 मौर्य वंश के बाद (Post Mauryan Dynasties)

सार → { मौर्य वंश के बाद जो छोटे छोटे वंश आये थे 3 नके बाद भारत में कुछ विदेशी आक्रमण हुए इनका अध्ययन करेंगे }

- मौर्य वंश के बाद 3 या 4 छोटी-छोटी Dynasties आयी थी।
- मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था।
- इस बृहद्रथ को मारा था इसके प्रमुख कमाण्डर (Commander in Chief) पुल्यमित्र शुंग ने।
- अब इस पुल्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की।

* शुंग वंश (Sunga Dynasty) * [185 BC - 73 BC]

- संस्थापक → पुल्यमित्र शुंग
- राजधानी → विदिशा (जो वर्तमान में MP में पड़ती है)
- अनुसरण धर्म → हिन्दु धर्म (Hinduism) को follow करते थे।

अशोक ने वैदिक धर्म को अपनाया और धम्म की Policy को दूर-दूर तक पहुँचाया अपने Rock और Pillary Edict से

- वैदिक धर्म को भी संरक्षण (Protected) देते थे लेकिन मानते थे हिन्दु धर्म की।
- वैदिक धर्म को संरक्षण देते थे इस बात का पता लगा → भारत स्तूप से क्योंकि ये पुल्यमित्र शुंग के ही शासनकाल में बना था। (म.प्र.)

→ पुल्यमित्र शुंग के बेटे → अग्निमित्र

- ये अग्निमित्र जो हैं इनका प्रेम प्रसंग चलता है मामविका से और मालविका और अग्निमित्र की प्रेम कथा (Love story) कालिदास जी मालविका अग्निमित्र में दिखाते हैं।

कालिदास का नाटक (Kalidasa's Play)

→ इन्ही के समय में पतंजलि हुए थे।

→ योग दर्शन के संस्थापक



- ▶ पतंजलि ने एक किताब लिखी थी → महाभाष्य
- ▶ इन्होंने दो अश्वमेध यज्ञ को आयोजित किया था → पुल्यामित्र शृंग के लिए
- ▶ अन्तिम शासक → देवभृति (Devbhuti)
- ▶ जिस प्रकार बृहद्रथ अन्तिम शासक था मौर्य वंश का तो उसके कमाण्डर चीफ ने उसको मारा और शृंग वंश की स्थापना की (पुल्यामित्र शृंग)
- ▶ इसी प्रकार देवभृति का जो कमाण्डर इन-चीफ जोकि (वाशुदेव) था इसने देवभृति को मारा और कण्व वंश (Kanva Dynasty) की स्थापना की।

Not Imp * कण्व वंश (Kanva Dynasty) * [73 BC - 28 BC] (याद की जरूरत नहीं)

- ▶ राजधानी :- पाटलिपुत्र
- ▶ इसके बाद आता है → सातवाहन वंश

Imp * सातवाहन वंश (Satvahana Dynasty) * [60 BC से 225 AD तक]

Que क्या कण्व वंश और सातवाहन वंश *parallelly* शासन कर रहे थे ?

Ans कण्व ऊपर था, सातवाहन नीचे थे → जो वर्तमान में महाराष्ट्र वाला क्षेत्र है

- ▶ 16 महाजनपदों में सबसे दक्षिणी (Southern most) था → बाद में इसी का नाम बन जाता है → **पैठान/प्रतिष्ठान** → सातवाहन वंश की राजधानी (महाराष्ट्र)
- ▶ यही पैठान/प्रतिष्ठान इनकी राजधानी बनती है।
- ▶ राजधानी :- पैठान/प्रतिष्ठान (महाराष्ट्र)
- ▶ संस्थापक → सिमुक
- ▶ सबसे महान शासकों में से एक (One of the greatest rulers) → गौतमीपुत्र सतकर्णी

जिन्होंने एक **साका** शासक 'क्षत्रप नदापना' को हराया था।

- ▶ सतकर्णी थोड़ा सा female type नाम लगाता है;
- ▶ ये थे तो male gender लेकिन सातवाहन वंश में जो थे वो ब्राह्मण थे।
- ▶ सातवाहन वंश के समय पर जो समाज था ये पितृवादी थी लेकिन



→ Matrilineal (मातृवंशीय) भी थी।

→ इस समय में Property मिलने के हिसाब से समाज पितृवंशीय और नाम मिलने के हिसाब से मातृवंशीय था। इसीलिए इन्होंने अपनी माँ का नाम लिया।

→ **gmp:** ब्राह्मणों और **वैदिक भिक्षुओं** को इन्होंने भूमि दान की प्रथा शुरू की।

→ **gmp:** इन्होंने शीशे (लेड) के बने हुए सिक्के चलवाए (शुरू किए)।

→ क्योंकि जो व्यापार करता था वो mostly वैदिक बर्ग या जैन धर्म को follow करता था और इन राजाओं को tax इन्हीं व्यापारियों से मिलता था इसलिए वो वैदिक भिक्षुओं को भी land दान करते थे।

→ बहुत सारे चैत्य (Chaityas) और विहार (Viharas) चट्टानों से बनवाए।
EX: नासिक, कन्देरी, करले → महाराष्ट्र (Rock cut)

→ जिस तरीके से चट्टानों में गुफार (Rock cut caves) बनायी जाती हैं उसी तरह चैत्य और विहार बनाए गए।
उदा:

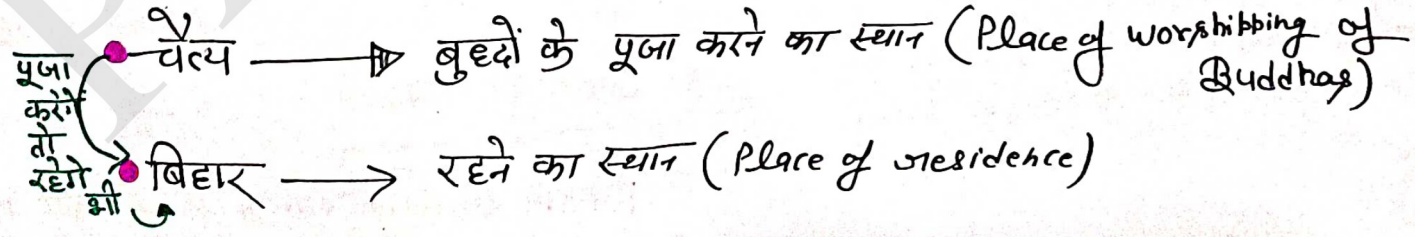
लोमस स्तूप cave	— विहार
नागाजुनी cave	

भाषा: प्राकृत

→ इन लोगों ने **स्तूप** भी बनवाए। EX: अमरावती स्तूप, नागाजुनकोडा (आंध्रप्रदेश)

→ अजंता और एलोरा गुफा (caves) इन्हीं के समय पर बनी लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ इन्होंने ही बनवायी सारी की सारी गुफार जो उसमें हैं राष्ट्रकूट वंश ने भी बनवायी थी

→ लेकिन अजंता और एलोरा गुफाओं को बनवाने का काम सबसे पहले शुरू सातवाहन वंश ने ही किया।



→ मौर्यों के बाद mainly 3 वंश आए थे जो हम पढ़ चुके आये तो और भी थी → ज्यादा gmp. नहीं EXAM perspective से

* मध्य भारत से आक्रमण [Invasions From Central India]

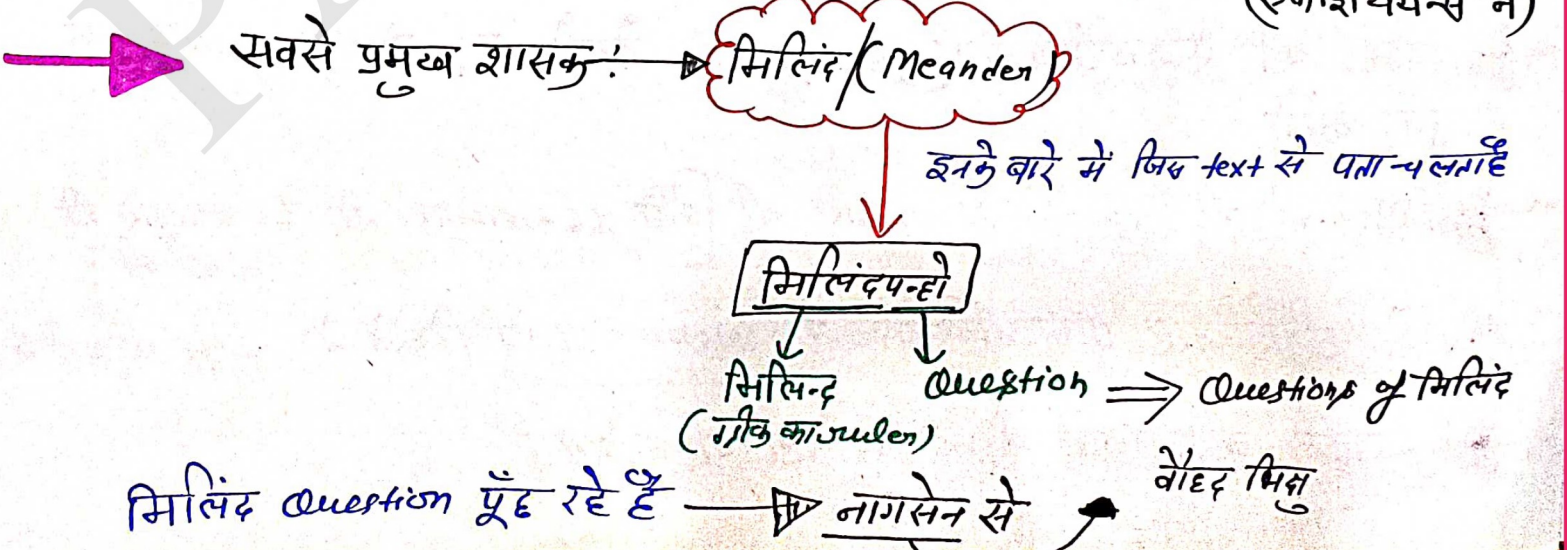
PARMAR SSC

- Central Asia (मध्य एशिया) में कई वंश शासन कर रहे थे।
जैसे :-
 - स्कंधियिया (Scythia) वंश → यही बाद में साका 'कदलार'
 - यूजेही (Yuezhi) वंश → ये वास्तव में 'कुषाण' हैं।
 - पार्थिया (Parthia) वंश
 - यूनानी (Greek)

- विश्व का 8 वां अजूबा बना → कम्बोडिया का "अंकोरवाट मंदिर"
- भारत में सारे आक्रमण "हिन्दुकुश वाले जोर" से हुए हैं क्योंकि इसके side हिमालय है और नीचे side पानी बहा रहता है इसीलिए वहाँ नहीं हुए।
- सबसे पहले मध्य एशिया (Central Asia) से जिस वंश (Dynasty) ने आक्रमण किया वो था → यूनानी वंश (Greeks)

∴ यूनानी वंश (Greek Dynasty) ∴

- पहला हिन्दुकुश के जरिए भारत में आक्रमण → ग्रीक (यूनानियों) द्वारा हुआ।
- भारत (India) में दब जाना की वजह से इनको 'इण्डोग्रीक' कहने लगे।
- यूनानी लोग उत्तरी अफगानिस्तान में शासन कर रहे थे।
- अफगानिस्तान के दक्षिणी भाग में सेल्युकस निकेटर का जो वंश चल रहा था वो शासन कर रहा था। जिसे सेलसिस वंश के नाम से जानते हैं।
- यूनानियों को भारत पर आक्रमण करने के लिए Push किया → Scythians ने (स्कंधियियन्स ने)



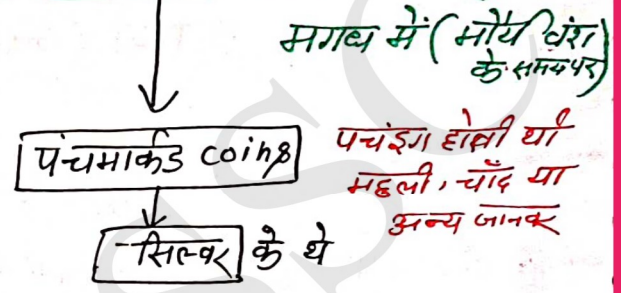


► मिलिंद Question पूछ रहे हैं बौद्ध धर्म को लेकर और इतना प्रभावित हुए कि इन्होंने अपने आप को बौद्ध धर्म में बदल लिया।

यूनानी शासक:-

① ये सोने के सिक्के पेश करने वाले पहले व्यक्ति थे।

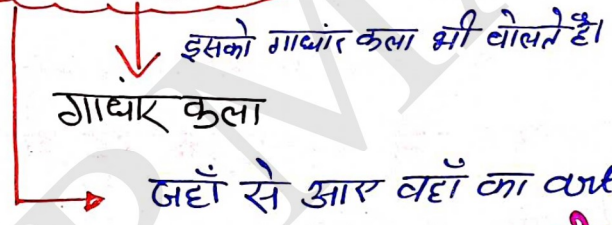
सबसे पहले सिक्के (Coins) महाजनपद के time पर देखने को मिले थे।



② सबसे पहले इन्होंने राजा से सम्बन्धित सिक्के (attributed to the king) [सिक्के पर राजा की तस्वीर होती थी चलावारा]

जिससे हमें ये पता चलता था कि उस time पर किस राजा का शासन रहा होगा।

③ इन्होंने हेलेनिस्टिक कला की शुरुआत की (उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में)



* शाका (साका) वंश (Sakas Dynasty) *

ये साम्राज्य (Empire) है इसकी 5 शाखाएँ थीं उसमें एक वंश क्षत्रप थी।

- अलेक्जेंडर ने जितना occupy किया था उससे ज्यादा शाका लोगों ने किया।
- शाका को स्काईथियन्स (Scythians) भी बोलते हैं। ये ज्यादा समय तक शासन करेंगे
- शाकास की total 5 शाखाएँ थीं [जैसे 16 महाजनपद तो 16 शाखाएँ थीं आयों की]
- ये 5 शाखाएँ अफगानिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में शासन कर रही थीं।
- गुजरात, कन्नड वाले कोस्ट पर एक शाखा थी।



- शको ने उत्तर पश्चिम और उत्तर भारत पर शासन किया।
- एक शाखा भारत के पश्चिमी भाग में बसी जिसने 4th (चौथी) शताब्दी (400 ई.) तक शासन किया। लगभग 500 साल तक Rule किया कुछ शाखाओं ने
- माना जाता है शकों को कोई रोक नहीं पा रहा था सिवाय एक राजा के वो राजा थे → राजा विक्रमादित्य (परमार)

- विक्रमादित्य ने शकों को हराया [57 BC में]
- तो इसी 57 BC से एक नया कैलेंडर विक्रम संवत् शुरु कर दिया।
- इस संवत् (कैलेंडर) को हिन्दू धर्म में follow किया जाता है; लेकिन भारत सरकार शक संवत् वाले कैलेंडर को follow करती है।

$$\begin{array}{r}
 2023 \text{ वर्तमान} \\
 + 57 \\
 \hline
 2080 \text{ चल रहा हिन्दू कैलेंडर के हिसाब से}
 \end{array}$$

- विक्रमादित्य को "प्रतिष्ठित उपाधि (Coveted title)" मिली जो ज्यादा ताकतवर शासक होता था वो विक्रमादित्य उपाधि ले लेता था।
- विक्रमादित्य उब्जैन के राजा था।

- परमार वंश के पहले शासक → "विक्रमादित्य परमार"
- सबसे प्रसिद्ध शक शासक → 'रुद्रदमन प्रथम' (क्षत्रप वंश से थे)

- इनके बारे में जुनागढ़ राँक शिलालेख से पता चलती है
- जिसे "गिरनार शिलालेख" के रूप में भी जाना जाता है (गुजरात में है)

- रुद्रदमन प्रथम ने सुदर्शन झील की मरम्मत (Repair) करवायी।
- निर्मित करवाया था → पुष्यगुप्त वैश्य (बहु-युद्धगुप्त मौर्य के time पर थे)

शकी के बाद पार्थियन 'वंश' आर

● तत्पश्चात् कुषाण वंश आया।



∴ कुषाण साम्राज्य

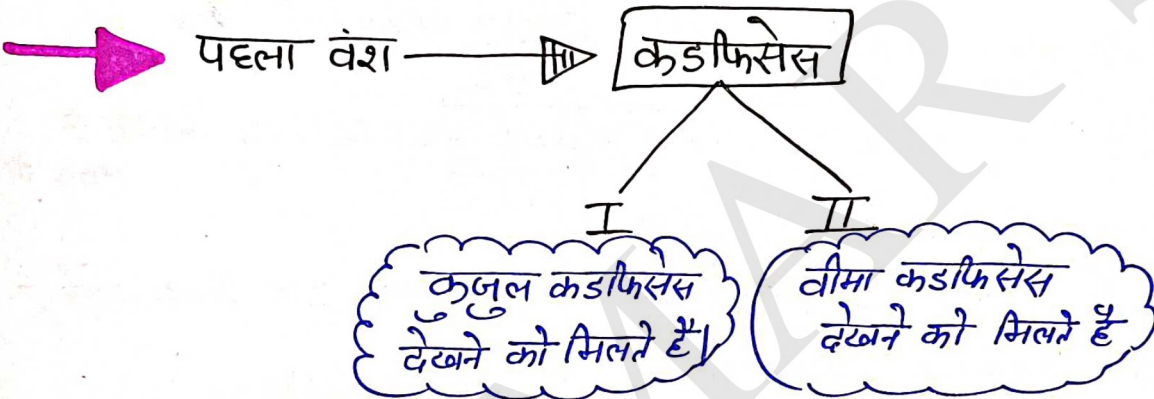
→ कुषाण → (1st पटली शताब्दी ई. से तीसरी शताब्दी ई.)

→ कुषाणों को युरीजिस / टोचरियन के नाम से भी जाना जाता है।

→ राजधानी → पेशावर (पटले) और (बाद में) मथुरा

→ वे स्वयं को 'देवताओं का पुत्र / राजाओं का राजा' कहते थे।

→ कुषाण साम्राज्य में अलग-अलग वंश आर



→ सबसे शक्तिशाली शासक → कनिष्क (78 ई. - 101 ई.)

- इन्हे द्वितीय अशोक के नाम से भी जाना जाता है।
- 78 ई. से ही 'शक संवत्' शुरू हुआ।
- शक कैलण्डर भारत सरकार द्वारा अपनाया गया।
- चौथी बौद्ध परिषद का संरक्षण कनिष्क ने ही किया था।
- कनिष्क ने भट्टायान बौद्ध धर्म को संरक्षण दिया।
- सोने के शुद्धतम रूप वाले सिक्के - चल्वाक (purest gold coins)

→ रेशम मार्ग (Silk route) पर नियंत्रण किया कुषाणों ने

* विदेशी आक्रमण का भारतीय समाज में प्रभाव *



→ जो विदेशी थे वो पूरी तरह स्वदेशी (भारत की) संस्कृति में डूब गए थे यानि अपने आप को ढाल लिया था।

⊗ मिट्टी के बर्तन :- (Pottery) :-

→ लाल बर्तन (Red ware)

→ ये लोग भिन्न तरीके से घुडसवार तकनीक, पगडी पहनना, शेरवानी पहनना, सिखार

⊗ राजनीति (Polity) :-

→ कुषाणों ने सस्कार की क्षत्रप प्रणाली शुरू की।

• सैन्य शासन (NOT राजा का बेटा राजा)

• यूनानियों द्वारा राजनीति

⊗ संस्कृति (Culture) :-

→ वे शिव और भगवान बुद्ध की पूजा करते थे।

⊗ साहित्य (Literature) :-

→ बुद्धचरित → अश्वघोष (भगवान बुद्ध की पहली जीवनी)

→ महाकाव्य और दिव्यादान →

→ कामसूत्र → वात्सयान

⊗ विज्ञान (Science) :-

→ चिकित्सा पर एक किताब लिखी गयी इस समय → चरकसंहिता

• चिकित्सा → चरक ने लिखी।
• के जनक

• अलग-अलग जडी बूटियों का मिश्रण

→ सुश्रुत → शल्य चिकित्सा के जनक (Father of Surgery)